




सलोकु ॥

मनि साचा मुखि साचा सोइ ॥

अवरु न पेखै एकसु बिनु कोइ ॥

नानक इह लछण ब्रह्म गिआनी होइ ॥४॥





असटपदी ॥

ब्रह्म गिआनी सदा निरलेप ॥

जैसे जल महि कमल अलेप ॥

ब्रह्म गिआनी सदा निरदोख ॥

जैसे सूरु सरब कउ सोख ॥

ब्रह्म गिआनी कै द्रिसटि समानि ॥

जैसे राज रंक कउ लागै तुलि पवान ॥

ब्रह्म गिआनी कै धीरजु एक ॥

जिउ बसुधा कोऊ खोदै कोऊ चंदन लेप ॥

ब्रह्म गिआनी का इहै गुनाउ ॥

नानक जिउ पावक का सहज सुभाउ ॥१॥





ब्रह्म गिआनी निरमल ते निरमला ॥

जैसे मैलु न लागै जला ॥

ब्रह्म गिआनी कै मनि होइ प्रगासु ॥

जैसे धर ऊपरि आकासु ॥

ब्रह्म गिआनी कै मित्र सत्रु समानि ॥


ब्रह्म गिआनी कै नाही अभिमान ॥


ब्रह्म गिआनी ऊच ते ऊचा ॥

मनि अपनै है सभ ते नीचा ॥


ब्रह्म गिआनी से जन भए ॥

नानक जिन प्रभु आपि करेइ ॥२॥





ब्रह्म गिआनी सगल की रीना ॥  
आतम रसु ब्रह्म गिआनी चीना ॥  
ब्रह्म गिआनी की सभ ऊपरि मइआ ॥  
ब्रह्म गिआनी ते कछु बुरा न भइआ ॥  
ब्रह्म गिआनी सदा समदरसी ॥  
ब्रह्म गिआनी की द्रिसटि अम्रितु बरसी ॥  
ब्रह्म गिआनी बंधन ते मुकता ॥  
ब्रह्म गिआनी की निरमल जुगता ॥  
ब्रह्म गिआनी का भोजनु गिआन ॥  
नानक ब्रह्म गिआनी का ब्रह्म धिआनु ॥३॥





ब्रह्म गिआनी एक ऊपरि आस ॥

ब्रह्म गिआनी का नही बिनास ॥

ब्रह्म गिआनी कै गरीबी समाहा ॥

ब्रह्म गिआनी परउपकार उमाहा ॥

ब्रह्म गिआनी कै नाही धंधा ॥


ब्रह्म गिआनी ले धावतु बंधा ॥

ब्रह्म गिआनी कै होइ सु भला ॥

ब्रह्म गिआनी सुफल फला ॥

ब्रह्म गिआनी संगि सगल उधारु ॥

नानक ब्रह्म गिआनी जपै सगल संसारु ॥४॥





ब्रह्म गिआनी कै एकै रंग ॥

ब्रह्म गिआनी कै बसै प्रभु संग ॥

ब्रह्म गिआनी कै नामु आधारु ॥

ब्रह्म गिआनी कै नामु परवारु ॥

ब्रह्म गिआनी सदा सद जागत ॥


ब्रह्म गिआनी अह्मबुधि तिआगत ॥

ब्रह्म गिआनी कै मनि परमानंद ॥


ब्रह्म गिआनी कै घरि सदा अनंद ॥

ब्रह्म गिआनी सुख सहज निवास ॥


नानक ब्रह्म गिआनी का नही बिनास ॥५॥








ब्रह्म गिआनी ब्रह्म का बेता ॥  
ब्रह्म गिआनी एक संगि हेता ॥  
ब्रह्म गिआनी कै होइ अचिंत ॥  
ब्रह्म गिआनी का निरमल मंत ॥  
ब्रह्म गिआनी जिसु करै प्रभु आपि ॥  
ब्रह्म गिआनी का बड परताप ॥  
ब्रह्म गिआनी का दरसु बडभागी पाईऐ ॥  
ब्रह्म गिआनी कउ बलि बलि जाईऐ ॥  
ब्रह्म गिआनी कउ खोजहि महेसुर ॥  
नानक ब्रह्म गिआनी आपि परमेसुर ॥६॥





ब्रह्म गिआनी की कीमति नाहि ॥  
ब्रह्म गिआनी कै सगल मन माहि ॥  
ब्रह्म गिआनी का कउन जानै भेदु ॥  
ब्रह्म गिआनी कउ सदा अदेसु ॥  
ब्रह्म गिआनी का कथिआ न जाइ अधाख्यरु ॥  
ब्रह्म गिआनी सरब का ठाकुरु ॥  
ब्रह्म गिआनी की मिति कउनु बखानै ॥  
ब्रह्म गिआनी की गति ब्रह्म गिआनी जानै ॥  
ब्रह्म गिआनी का अंतु न पारु ॥  
नानक ब्रह्म गिआनी कउ सदा नमसकारु





ब्रह्म गिआनी सभ स्रिसटि का करता ॥

ब्रह्म गिआनी सद जीवै नही मरता ॥

ब्रह्म गिआनी मुकति जुगति जीअ का दाता ॥

ब्रह्म गिआनी पूरन पुरखु बिधाता ॥

ब्रह्म गिआनी अनाथ का नाथु ॥

ब्रह्म गिआनी का सभ ऊपरि हाथु ॥

ब्रह्म गिआनी का सगल अकारु ॥

ब्रह्म गिआनी आपि निरंकारु ॥

ब्रह्म गिआनी की सोभा ब्रह्म गिआनी बनी ॥

नानक ब्रह्म गिआनी सरब का धनी ॥८॥८॥

